संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार **CCRT Newsletter**

खण्ड 2 • अंक 10 • अक्तूबर 2024 Volume 2 • Issue 10 • October, 2024

कला मंथन

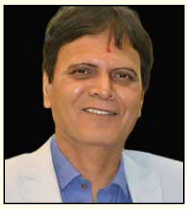

ऑगस्टिन का तर्क यह है कि ईश्वर क्रमबद्धता की भाँति है। इसीलिए उसने जिस ब्रह्मांड का निर्माण किया उसमें क्रमबद्धता का तत्त्व विराजमान है। वस्तु की सृजनशीलता का आधार इकाई अथवा नाप (मेजरमेंट) है। इसी दृष्टि से देखा जाए तो हर एक वस्तु सुंदर होनी चाहिए। ऑगस्टिन के अनुसार निरपेक्ष कुरूपता नामक कोई भी वस्तु इस ब्रह्मांड में नहीं है। किन्तु कुछ पदार्थ, अन्य पदार्थ की तुलना में संघटित हो सकते हैं। इसीलिए कुरूपता (अग्लिनेस) केवल तुलनात्मक विकृति है। अपने से जो सुसंगत नहीं, ऐसी वस्तु का प्रत्यक्षीकरण आत्मा कभी नहीं करती। अनुरूप आत्मा स्वयं के सौंदर्य में सभी वस्तुओं को देखेगी। वस्तु का गठन इसलिए होता है ताकि उसे पूर्ण रूप से एवं स्वाभाविक रूप से देखा जा सके। किसी भी वस्तु को उसका सौंदर्य अलग रखकर देखना निरर्थक है। जब किसी को उसके द्वारा की गई गलती की सजा अदालत सुनाती है तब इस प्रकार की सजा न्याय सौंदर्य का प्रतीक बन जाता है। यदि हमें कोई पदार्थ रूचिपूर्ण नहीं लगा तो संपूर्ण ब्रह्मांड को दोषी मानना गलत होगा। किसी मूर्ति में कोई एक पत्थर विसंगत दिखाई देता है तो इसका मतलब यह नहीं होता कि सम्पूर्ण कलाकृति दोषपूर्ण है और कलाकार कम पड़ रहा है। सम्पूर्ण कला में उस पत्थर का स्थान तथा महत्व क्या है, यह भी देखना आवश्यक है। अत्यंत सूक्ष्म कीड़ों की शरीर रचना की ओर यदि ध्यान दिया जाए तो हमें पता चलता है कि छोटे-बड़े अवयवों के कारण उनका योजनाबद्ध शरीर बना है। इसीलिए उसमें सुसंगति है। विभिन्न में एकता का तत्व यहाँ दृश्यमान होने के कारण उसमें सौंदर्य का निर्माण प्रतीत होता है। जब आत्मा स्वयं को सुसंग एवं सौंदर्यमय बनाएगी, तभी आत्मा ईश्वर की विचारणा करेगी, तभी आत्मा सौंदर्य तथा कुरूपता में भेद कर सकेगी। ऑगस्टिन के अनुसार स्वयं को आध्यात्मिक करने का मतलब होता है स्वयं को निश्चित करना, स्वयं को समझना। क्रमबद्धता एवं संख्या तब सौंदर्य के 'विशेष' हैं।

डॉ. विनोद नारायण इन्दूरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

अक्तूबर 2024 की प्रमुख गतिविधियाँ

प्रशिक्षण अनुभाग-I / TRAINING SECTION-I

● एनईपी-2020 के अनुरूप 491वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(17 सितम्बर से 08 अक्तूबर, 2024, सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली)

सितंबर 2024 में सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली द्वारा 491वें अनुस्थापन पाठ्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 8 राज्यों के कुल 37 सेवारत शिक्षकों ने भाग लिया, जिनमें से 9 महिला प्रतिभागी थीं। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को भारतीय सांस्कृतिक धरोहर एवं कला के प्रति जागरूक करना था ताकि वे अपनी शिक्षण पद्धतियों में सांस्कृतिक तत्वों का समावेश कर सकें। प्रतिभागियों को भारतीय सांस्कृतिक विविधता और उसके शिक्षण में उपयोग के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया।

जिल्दसाजी के पारंपरिक कौशल में निपुण होते हुए प्रतिभागी

इस पाठ्यक्रम के तहत विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें सांस्कृतिक धरोहर, भारतीय कला एवं शिल्प पर विशेषज्ञों द्वारा गहन चर्चा की गई। डॉ. भरत गुप्त, डॉ. चारू स्मिता गुप्ता, डॉ. प्रतापनंद झा और डॉ. विजय कुमार माथुर जैसे विद्वानों ने भारतीय सांस्कृतिक इतिहास, चित्रकला, पांडुलिपियों और मूर्त धरोहर पर व्याख्यान दिए। इसके अलावा प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय संग्रहालय, कुतुब मीनार और हुमायूँ के मकबरे जैसे धरोहर स्थलों के संरक्षण और उनके महत्व को समझा। साथ ही विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से क्षेत्रीय योगदान पर भी प्रकाश डाला गया।

इस अनुस्थापन पाठ्यक्रम में शिक्षण विधियों में सांस्कृतिक तत्वों को कैसे शामिल किया जा सकता है, इस पर विशेष ध्यान दिया गया। शिक्षकों ने सांस्कृतिक दृष्टिकोण से पाठ योजनाएँ तैयार कीं और प्रदर्शन कला, जैसे कि कर्नाटक और हिंदुस्तानी संगीत, रंगमंच और नृत्य के माध्यम से शिक्षा को रोचक बनाने के तरीके सीखे। साथ ही योग, हस्तशिल्प और पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली के महत्व पर भी चर्चा की गई तथा शिल्पकारों से मिट्टी के बर्तन, मधुबनी पेंटिंग, मैक्रेम एवं बुक बाइंडिंग पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस पाठ्यक्रम ने प्रतिभागियों को समग्र शिक्षण विधियों में निपुण बनाया और उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया।

पाठ्यक्रम के दौरान मधुबनी कला को सीख्ते हुए प्रतिभागी

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति प्रदान करने की योजना (एसवाईए) के तहत वर्चुअल/ऑनलाइन विशेषज्ञ समिति की बैठक

- 2022-23 बैच वर्ष से संबंधित विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान करने की योजना (एसवाईए) के तहत युवा कलाकारों के आवेदनों का मूल्यांकन करने के लिए 21 अक्तूबर से 20 नवंबर, 2024 तक एक आभासी विशेषज्ञ समिति की बैठक बुलाई गई। विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति (एसवाईए) के लिए 3,885 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है।

- सीसीआरटी छात्रवृत्तिधारकों और अध्येताओं ने 13 अक्टूबर, 2024 को रैपिड एक्शन फोर्स की 32वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शौर्य सीआरपीएफ ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट, वसंत कुंज, नई दिल्ली में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

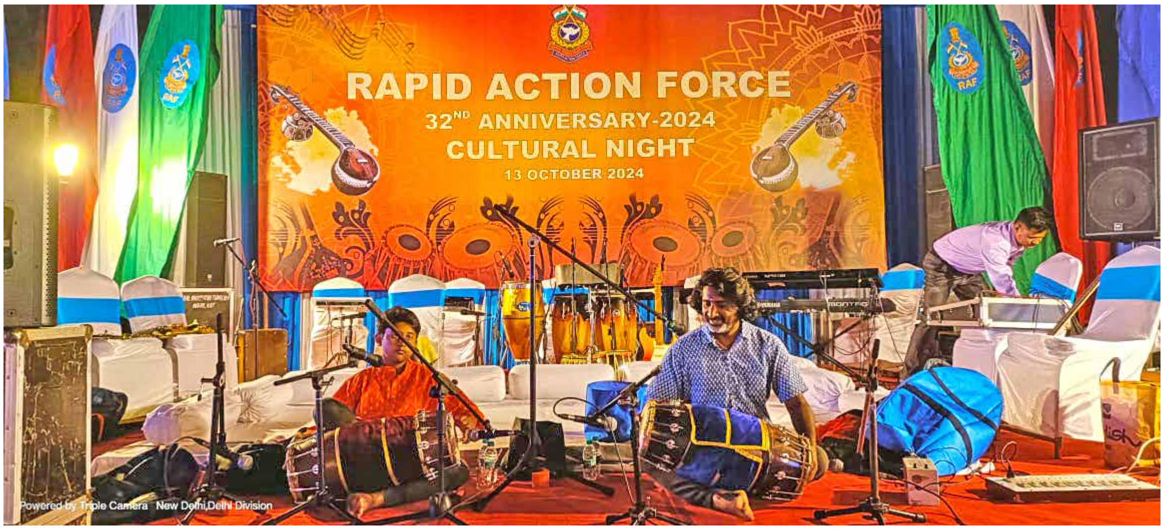

- सीसीआरटी, नई दिल्ली में सीसीआरटी छात्रवृत्तिधारकों और अध्येताओं ने 22-23 अक्टूबर, 2024 को नई दिल्ली के सीसीआरटी परिसर में आयोजित स्वदेशी मेला 2024 में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रशिक्षण अनुभाग-II / TRAINING SECTION-II

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 21 अक्टूबर से 25 अक्टूबर, 2024 तक 'एनईपी-2020 के अनुरूप विद्यालयी शिक्षा में संग्रहालयों की भूमिका' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा में इतिहास, परंपराएं एवं संस्कृति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यशाला में कुल 13 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 84 शिक्षक/शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, सागरपुर, नई दिल्ली	22-24 अक्टूबर 2024
2.	राजकीय को-एड सीनियर सेकेंडरी स्कूल कर्मपुरा, नई दिल्ली	22-24 अक्टूबर 2024
3.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, शाहबाद, द्वारका, नई दिल्ली	25, 26, 28 अक्टूबर 2024
4.	एसबीवी, सुभाष नगर, नई दिल्ली	31 अक्टूबर और 1, 4 नवंबर 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	केन्द्रीय विद्यालय, एलेनबे लाइन्स, जे.जे. नगर पोस्ट, बोलारम, सिकंदराबाद	04, 05, 07 अक्टूबर 2024
2.	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, एनएफसी नगर, घाटकेसर मण्डल, मेडचल, तेलंगाना	21-23 अक्टूबर 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पिपलावास, उदयपुर	01, 02, 04 अक्टूबर 2024
2.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भूपालपुरा, उदयपुर	04, 05, 07 अक्टूबर 2024
3.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सराय, उदयपुर	08 अक्टूबर 2024
4.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वल्लभनगर, उदयपुर	08-10 अक्टूबर 2024
5.	कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, मावली, नान्देशमा, उदयपुर	16 अक्टूबर 2024
6.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गुडाली, मावली, उदयपुर	17-19 अक्टूबर, 2024
7.	महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, बड़गांव, उदयपुर	17-19 अक्टूबर, 2024
8.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वर्दा, उदयपुर	17-19 अक्टूबर, 2024
9.	महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, धानमंडी, उदयपुर	17-19 अक्टूबर, 2024
10.	महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, डबोक, उदयपुर	18,19,21 अक्टूबर 2024
11.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चंदेसरा, उदयपुर	21-23 अक्टूबर, 2024
12.	महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, पुलम, उदयपुर	21-23 अक्टूबर, 2024
13.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, डबोक, उदयपुर	21-23 अक्टूबर, 2024
14.	महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, सायरा, उदयपुर	23 अक्टूबर 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	पब गुवाहाटी आदर्श माध्यमिक विद्यालय, गुवाहाटी	24, 25, 28 अक्तूबर 2024
2.	तेपुरम टेरोन माध्यमिक विद्यालय, रूपकोनवार, गुवाहाटी	24–26 अक्तूबर 2024
3.	दखिन गुवाहाटी लचित गढ़ माध्यमिक विद्यालय, गुवाहाटी	25, 28, 29 2024 अक्तूबर

क्षेत्रीय केन्द्र, दमोह

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय मॉडल माध्यमिक विद्यालय, दमोह	24–26 अक्तूबर, 202

अक्तूबर 2024 में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 4603 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान

सीसीआरटी मुख्यालय नई दिल्ली (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा "स्वच्छता ही सेवा अभियान-2024" के अंतर्गत राजकीय विद्यालय में तीन दिवसीय कार्यशाला में दिनांक 02/10/2024 को "Waste to Art", विषय पर पारम्परिक शिल्पकलाओं पर कक्षाओं का आयोजन किया गया, जिनमें कुल 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं इसके अतिरिक्त कुल 500 विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता शपथ ली गई।

सीसीआरटी नई दिल्ली एवं नगर निगम नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर – कार्यशाला आयोजित की गई जिनमें सीसीआरटी अधिकारियों /कर्मचारियों/ सफाई कर्मचारियों/माली एवं 8 राज्यों से आए हुए 37 शिक्षक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) तथा चारों क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद, उदयपुर, गुवाहाटी व दमोह द्वारा "स्वच्छता ही सेवा अभियान -2024" के अंतर्गत दिनांक 02/10/24 गाँधी जयंती के उपलक्ष्य पर श्रमदान सहित लक्षित इकाई कार्यक्रम के अंतर्गत अलग-अलग स्थलों पर श्रमदान आयोजन किया गया।

- उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज (संस्कृति मंत्रालय) और सीसीआरटी के संयुक्त तत्वावधान में 16 अक्टूबर 2024 को सीसीआरटी मुख्यालय परिसर, नई दिल्ली में एकदिवसीय 'विलुप्त लोक एवं जनजातीय कला उत्थान महोत्सव' का आयोजन किया गया।
- सीसीआरटी नई दिल्ली में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम "शिक्षा के लिए एकीकृत दृष्टिकोण" का आयोजन दिनांक 14 से 18 अक्टूबर, 2024 तक किया गया। दिनांक 14 अक्टूबर, 2024 को कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन में 'भारतीय मूल्यपरक शिक्षा' विषय तथा द्वितीय दिन 'भारतीय मूर्तिकला' विषय पर व्याख्यान सम्पन्न हुआ, जिपमें विषय विशेषज्ञों क्रमशः डॉ ए.के. मर्चेंट तथा आचार्य पुलकित जावा थे। पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में कुल 15 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से 127 शिक्षक/शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

- सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र (उदयपुर) में दिनांक 16 से 25 अक्टूबर 2024 तक "विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश" कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के 11 विभिन्न राज्यों से आए हुए कुल 77 शिक्षक / शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

- सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी में 16 से 25 अक्टूबर 2024 तक 'प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में स्कूलों की भूमिका' पर कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की गई, जिनमें 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के 68 सेवारत शिक्षकों ने भाग लिया।

हिन्दी अनुभाग/ HINDI SECTION

सीसीआरटी मुख्यालय परिसर, द्वारका, नई दिल्ली में दिनांक 16 अक्टूबर 2024 को सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) और वैज्ञानिक तथा शब्दावली आयोग (सीएसटीटी), शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में 'वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली का प्रयोग और राजभाषा नीति' विषय पर एकदिवसीय राजभाषा संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सीसीआरटी मुख्यालय के सभी कार्मिकों के साथ-साथ संस्कृति मंत्रालय के दिल्ली स्थित कार्यालयों और नराकास दक्षिण दिल्ली-2 की 5वीं उप-समिति, जिसका नोडल कार्यालय सीसीआरटी है, के 09 सदस्य कार्यालयों के प्रतिनिधियों सहित कुल 100 से अधिक प्रतिभागियों और 14-18 अक्टूबर 2024 तक 'शिक्षा के प्रति एकीकृत दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में शामिल 15 राज्यों के 127 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी प्रतिभागिता की। सीएसटीटी की संस्कृति मंत्रालय के किसी कार्यालय के साथ इस किस्म की यह पहली संगोष्ठी है और सीसीआरटी द्वारा आयोजित पहली एकदिवसीय राजभाषा संगोष्ठी भी है।

इस एकदिवसीय संगोष्ठी के पूर्वाह्न सत्र में आकाशवाणी और दूरदर्शन, नई दिल्ली के वरिष्ठ संस्कृत मीडिया विशेषज्ञ तथा प्रसिद्ध संस्कृत समाचारवाचक डॉ. बलदेव आनंद सागर द्वारा "हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली का व्याकरणिक स्वरूप" विषय पर व्याख्यान दिया गया। वहीं अपराह्न सत्र में श्री शिव कुमार चौधरी, सहायक निदेशक (विषय), वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली द्वारा "तकनीकी शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया" विषय पर व्याख्यान दिया गया। प्रत्येक व्याख्यान के बाद इन विद्वान विशेषज्ञों द्वारा उपस्थित श्रोतासमूह के प्रश्नों का उत्तर दिया गया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली:	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र:
डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी **श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.)**, निदेशक, सीसीआरटी **डॉ. राहुल कुमार**, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I) **डॉ. संदीप शर्मा**, उप निदेशक (मूल्यांकन) **श्री दिबाकर दास**, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति) **श्री के.एस.एल. गणेश**, उप निदेशक (प्रशासन) **श्री श्रीभगवान वर्मा**, उप निदेशक (उत्पादन) **श्री आशुतोष**, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II) **श्री मनीष कुमार**, हिन्दी अधिकारी	**श्री वाई. चन्द्र शेखर**, परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना **श्री ओम प्रकाश शर्मा**, परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान **श्री निरंजन भुइयां**, परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम **श्री के.एस.एल. गणेश**, उप निदेशक (प्रशासन) एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर